Appendix D.

The Scoring Key

सुई

१- आंख फोड़ने के काम

२- आत्महत्या करने के काम (सुईयां निगलकर)

३- इकट्ठा करने के काम (छोटे छोटे पुर्जे)

४- इन्जक्शन लगाने के काम

  १- खून निकालना

  २- खून प्रविष्ट करना

  ३- दवाई प्रविष्ट करना

५- काजल (सुरमा लगाने के काम)

६- कीड़े मारनेके काम

७- कढ़ाई के काम

  १- चित्रकारी

  २- रफू

८- खेलों में (सुई धागा)

९- चिपकी चीज़ उठाने के काम

  १- खाल

  २- छिलका (जानदार या बेजान चीज का)

  ३- बन्द ढक्कन

१०- चुभाने का काम

  १- साथ वाले यात्री को खिझाने के काम

  २- कक्षा में विघ्न पैदा करने के काम

  ३- सोते से उठाने के काम

११- चुम्बकत्व का ज्ञान

१२- छेद करने के काम

१- सख्त बेजान चीजों में

(अ) खनिज पदार्थ- लोहा, सोना इत्यादि

(ब) रबर, टायर, प्लास्टिक इत्यादि

च २- नर्म बेजान चीजें

(अ) कागज

(ब) कपड़ा

(स) गुब्बारा, निप्पल

३- जानदार चीजें

(अ) कान

(ब) नाक

(स) फुन्सी, छाला

१३- फंदे में फसाने का काम

१४- तराजू में नाप दिखाने के काम

१५- ताला खोलने के काम

१६- दिशा दिखाने के काम

१७- धागे, ऊन, रस्सी सुलझाने के काम

१८- परकार की नोक के काम(यदि परकार की अपनी नोक टूट जाय तो)

१९- पैमाने के काम

(अ) लम्बाई, चौड़ाई

(ब) गहराई

(स) मार

२०- प्रयोगों में लोहे के बदले

२१- फंसी हुई चीज निकालने के काम

(अ) सेज-जानदार चीज से, जैसे

(१) कान (२) दांत (३) नाखुन (४) फोड़े

(ब) मेल-बेजान चीज से जैसे

(१) मशीन (२) स्टोव (३) घड़ी (४) कंघा

(स) छोटे मुंह की शीशी के कार्क

(द) पेन में फंसी हुई ट्यूब

(य) कांटा, हुक

२२- बटन के बदले

२३- बिन्दु लगाने के काम

२४- मछली पकड़ने के काम

२५- मांस सिलने के काम

२६- रिकार्ड चलाने के काम

२७- लिखने के काम

१- दीवार पर रगड़ रगड़ कर

२- स्याही में डुबो डुबो कर

२८- लटकाने के काम- छत या दीवार में गाढ़ के कुछ भी लटका सकते हैं

२९- विद्युत धारा Circuit पूरा करने के काम

३०- समय बताने के काम (घड़ी में)

३१- सहारे के काम

१- खिलौनों में २- चश्मे के फ्रेम में कील की जगह

३२- स्थिरता लाने के काम

३३- सिलाई के काम

(अ) कपड़ा

(१) पहनने वाले वस्त्र

(२) बोरी

(३) जाल

(४) पार्सल

(५) काज

(६) स्वेटर

(७) बटन, हुक

(ब) कागज

(१) किताब

(२) कापी

(स) चमड़ा

(१) जूता

(२) पर्स

३४- सिलाई के बदले चीजे जोड़ने के काम

(१) कपड़े (२) कागज

(३) लकड़िया (४) फूल

३५- हथियार के काम

(१) लकड़ी के सिरे पर लगाकर

(२) लोहे के सिरे पर

(३) लकड़ी के डंडे के चारों ओर

मिट्टी

१- आग बुझाने के काम

२- ईंट बनाने के काम

३- कीड़े मकौड़े मारने के काम

४- खनिज पदार्थ निकालने के काम

(१) लोहा (२) शीशा (३) सोना

५- खाने के काम

(१) मनुष्य के (२) पौधों के (३) कीड़ों के

६- खिलौने बनाने के काम

(१) मूर्तिया (२) सजावट के सामान (३) चित्र (४) अनार, बम्ब

७- गन्दगी फैलाने के काम

(१) मच्छर पैदा करने के काम

(२) होली में कपड़े बिगाड़ने के काम

८- गीली जगह सुखाने के काम, फैली स्याही

९- गुस्से में

(१) मुंह पर मारने के काम

(२) आंखों में डालने के काम

(३) ढेले से सिर फोड़ने के काम

१०- निशान लगाने के काम

११- चक्क दूर करने के काम

१२- चमड़ी की बीमारियां दूर करने के काम

(१) चोट (२) दाग (३) फुन्सी (४) खुजली

१३- जोड़ने का काम

(१) मिट्टी के बर्तन (२) दरार (३) ईंट

१४- जमीन की काया पलटने के लिए

(अ) (१) समतल बनाने के काम

(२) मुलायम बनाने के काम

(३) फिसलनी बनाने के काम

(ब) (१) टीले बनाने के काम

(२) गड्ढे भरने के काम

(३) नाले बनाने के काम

१५- ढकने के काम

(१) गन्दगी (२) पशु लाश (३) मनुष्य लाश (४) धन

१६- पेड़ पौधे उगाने के काम

(१) अनाज (२) सब्जियां (३) फल (फूल)

१७- पोतने के काम

(१) अंगीठी (२) मकान (३) आगन

१८- पूजा के काम

१९- बहाव रोकने के काम

(१) पानी (२) खून

२०- बर्तन बनाने के काम

(अ) कच्ची मिट्टी के

(१) अंगीठी (२) भट्टी (३) गोले

(ब) पक्की मिट्टी के

(१) गमले (२) मटके (३) सुराही (४) कप, प्लेट

२१- भूगोलिक जानकारी प्राप्त करने के काम

२२- मसालों में मिलावट

२३- मिर्गी दूर करने के काम

२४- रंग बदलने के काम

(१) घोल का (२) सजावट के सामान का

२५- लिखकर संदेश पहुंचाने के काम

(१) पत्थर पर (२) लकड़ी पर (३) पत्तों पर

२६- शरीर का ताप बदलने के काम

(१) माथे पर गीली करके

(२) नकसीर फूटने पर

(३) सूजन पर सिकाई करने के काम

२७- साँचा ढालने के काम

२८- साफ करने के काम

(१) बर्तन (२) हाथ (३) कपड़े (४) पानी

२९- सड़ाने के काम

३०- स्थिर करने के काम

(१) पौधा (२) डंडा

३१- सूजन उतारने के काम

(१) कनपेड़े (२) माता

३२- हवा की दिशा देखने के काम

यदि मनुष्य धरती के बदले पानी में रहना शुरू कर दे

१- मनुष्य का स्वभाव बदल जायगा

(जीव जन्तुओं की तरह रहने लग जायगा)

१- मनुष्य की आदतें पानी में जानवरों जैसी हो जायगी

२- मनुष्य काटा करेगा

३- मनुष्य खूंखार हो जायगा

४- धरती की वस्तुओं में लगन कम हो जायगी

५- मनुष्यत्व की भावना खत्म हो जायगी

६- मनुष्य जलजीवियों की तरह सोचेगा

२- मनुष्य का स्वभाव पानी में नही बदलेगा

(धरती का जैसा ही स्वभाव रहेगा)

१- मनुष्य अपने आप को किसी के हाथ नहीं लगने देगा

२- मनुष्य पानी के जानवरों को तंग करेगा

३- मनुष्य पानी के जानवरों को धरती पर फेंक देगा

४- मनुष्य बाहर वाले जानवरों को पानी नहीं पीने देगा

५- मनुष्य पानी से बिजली नहीं बनने देगा

६- मनुष्य पौधों को भी नहीं उगने देगा

७- मनुष्य मछलियां किसी और को नहीं खाने देगा

८- मनुष्य अपने उपर नाव या जहाज नहीं चलने देगा

३- मनुष्य का भोजन बदल जायगा

१- मनुष्य कोई, कंकर, कमल ककड़ी इत्यादि खायगा

२- मनुष्य मिट्टी, इत्यादि खायगा

३- मनुष्य पानी के जानवरों को खायगा

४- मनुष्य पानी के पेड़ पौधों को खायगा

५- मनुष्य पानी से बाहर आकर भोजन करेगा

६- मनुष्य - मनुष्य को खायगा

४- मनुष्य की शारीरिक बनावट बदल जायगी 180

(कुछ अंग नष्ट हो जायेंगे)

१- मनुष्य की जबान काम नहीं करेगी

२- मनुष्य की नाक खत्म हो जायगी

३- मनुष्य के फेफड़े नष्ट हो जायेंगे

४- मनुष्य के हाथ पैर नहीं रहेंगे

५- त्वचा बदल जायगी

१- त्वचा कोमल हो जायगी

२- त्वचा खुरदुरी हो जायगी

३- त्वचा फिसलनी हो जायगी

४- त्वचा पर बाल नहीं रहेंगे

५- त्वचा का रंग बदल जायगा

६- त्वचा सख्त हो जायगी

७- त्वचा से सांस लेगा

६- मनुष्य की शारीरिक बनावट बदल जायगी

(कुछ अंग बढ़ जायेंगे)

१- मनुष्य के गले में पानी की एक थैली हो जायगी

२- मनुष्य के पंख निकल आयेंगे

३- मनुष्य की पूंछ निकल आयगी

७- बीमारियां हो जायंगी

१- मनुष्य के अंगों में शिथिलता आ जायगी

२- मनुष्य की आंखे खराब हो जायंगी

३- मनुष्य की :निमोनिया: एक आम बिमारी हो जायगी

४- मनुष्य को जुकाम लग जायगा

५- मनुष्य के अंग ठंड से अकड़ जायेंगे ।

—०—

६- मनुष्य का शरीर गलने लग जायगा ।

७- मनुष्य के शरीर में पानी घुस जायगा ।

८- मनुष्य के शरीर का सन्तुलन जाता रहेगा ।

८- पानी का रूप बदल जायगा

१- पानी अपवित्र माना जायगा

२- पानी कम हो जायगा

३- पानी गन्दा हो जायगा शौच इत्यादि से

४- पानी नरक सा बन जायगा

५- लोगों के मरने से लाशों की बदबू पानी को गन्दा कर देगी ।

९- धरती बदल जायगी

१- धरती पर अविष्कार बन्द हो जायेंगे

२- धरती के उपयोग कम हो जायेंगे

३- धरती अग्नि के समान गर्म हो जायगी

४- धरती पर पानी छा जायगा

५- धरती के पेड़ पौधे नष्ट हो जायगे

६- धरती पर पेड़ पौधे छा जायेंगे

७- धरती और अधिक फलेगी फूलेगी

८- धरती बंजर हो जायगी

९- धरती पर भयंकर तत्व पैदा हो जायेंगे

१०- धरती की मुश्किलों का समाधान हो जायगा

११- धरती पर पशुओं का राज्य हो जायगा

१२- धरती पर पशुओं की संख्या बढ़ जायगी

१३- पृथ्वी कुछ अंश मात्र ही रह जायगी

१४- पृथ्वी पर रहने वालों की संख्या घटेगी

१०- <u>मनुष्य ऐसे यातायात के साधन आविष्कार करेगा</u>

१- जिनमें पेट्रोल की जगह पानी लगता हो

२- जो पानी की सतह पर चल सके

३- जहाज और पनडुब्बी जो पानी के अन्दर चलती हो

४- जो बिजली से चले (बिजली पानी में ही बनती जाय).

५- हवाई जहाज जो पानी में उतरे

११- <u>मनुष्य, और यन्त्र आविष्कार करेगा</u>

१- ऐसे यन्त्र बनायगा जिनसे सांस लेना आसान हो जाय

२- ऐसे यन्त्र बनायगा जो पानी में खराब न हो

३- सभी वस्तुएं पानी में हल्की बनानी पड़ेगी

४- मनुष्य अन्तरिक्ष देखने के लिए अलग यन्त्र बनायेगा ।

५- मनुष्य गहराई नापने का यन्त्र बनायगा ।

६- मनुष्य खतरनाक जानवरों से बचने के यन्त्र बनायेगा ।

१२- आपसी सम्बन्ध (मनुष्य और जलजीवियों के)

१- मनुष्यों और जलजीवियों में खेल प्रतियोगिताएं होगी ।

२- जलजीवी मनुष्य को खा जायेंगे

३- मनुष्य और जलजीवियों में झगड़े होंगे।भयन्कर युद्ध होंगे ।

४- मनुष्य और जलजीवी दोस्त हो जायेंगे

५- मनुष्य जलजीवियों का नेता बन जायगा

६- मनुष्य जलजीवियों से प्यार।विवाह करने लगेंगा ।

७- आपस में व्यापार होगा

८- मनुष्य और जलजीवी अपना अपना देश बनायेंगे फिर सीमा के झगड़े होंगे

१३- मनुष्य धरती जैसा जीवन पानी में व्यतीत करेगा

१- मनुष्य कारोबार करेगा -- मनुष्य कपड़े, परचून, हलवाई आदि का कारोबार करेगा ।

२- मनुष्य दुकानें लगा लेगा

३- मनुष्य कारखाने खोल लेगा

४- मनुष्य किसी और किस्म के कपड़े पहनेगा जैसे प्लासटिक, रबर, खाल इत्यादि

५- मनुष्य खाने पीने का इन्तजाम करेगा जैसे खेती बाड़ी करेगा

६- मनुष्य खेल के मैदान बनायगा ।और खेलेगा

७- मनुष्य गांव के गांव, शहर के शहर और देश के देश बसा लेगा

८- मनुष्य घर बनायगा

९- मनुष्य चलचित्र बनायेगा

१०- युद्ध करेगा जल के रास्ते दूसरे देशों से

११- मनुष्य विद्यालय खोलेगा

१२- मनुष्य पानी में फौजी अड्डे बनायेगा

१३- मनुष्य पानी की सतह पर सोयगा

१४- मनुष्य धरती जैसा जीवन नही व्यतीत कर सकेगा

१- मनुष्य आविष्कार नहीं कर सकेगा

२- मनुष्य आग पानी में नहीं जला पायगा

३- मनुष्य इतना समझदार नहीं रहेगा

४- मनुष्य कारखाने नहीं चला सकेगा

५- मनुष्य घर नहीं बना सकता

६- मनुष्य धूम्रपान नहीं कर सकता

७- मनुष्य धरती का भोजन प्राप्त नहीं कर सकता

८- मनुष्य वर्तमान मनोरंजन नहीं कर सकेगा

--१२-

१४- मनुष्य धरती जैसा जीवन नहीं व्यतीत कर सकेगा (चालु) 184

९- मनुष्य वर्तमान श्रृंगार नहीं कर सकेगा

१०- मनुष्य वस्त्र नहीं पहन सकता

११- मनुष्य विद्यालय, महाविद्यालय नहीं बना सकता

१२- मनुष्य शव जला नहीं सकता

१३- मनुष्य सांस नहीं ले सकता

१४- मनुष्य सूखा खाना नहीं खा सकता

१५- मनुष्य चुनाव नहीं लड़ सकता

१५- मनुष्य पानी की निधियां आसानी से पा लेगा

१- मनुष्य अमूल्य निधि पानी की गहराइयों से ले लेगा

२- मनुष्य को नमक आसानी से मिलेगा

३- मनुष्य कनै सीपियां पा लेगा

४- मनुष्य हीरे मोतियों का व्यापार करेगा

५- मनुष्य बिजली आसानी से बना सकेगा

६- मनुष्य को जानवरों की खाले मिलेंगी

७- मनुष्य को व्हेल मछली का तेल आसानी से मिलेगा

१६- पानी के जन्तुओं का फायदा

१- जलजन्तु बोझ ढोने के काम आयेंगे

२- जलजन्तु यात्रा के साधन बनेंगे

३- जलजन्तु सेना के काम आयेंगे

४- बिजली के लिए इन मछलियों को पाला जायगा जिनसे बिजली निकलती है

१७- मनुष्य आविष्कार करके पानी में वर्तमान सा जीवन बना लेगा

१- मनुष्य पानी में वायु लाने का प्रयत्न करेगा ।

२- मनुष्य पानी में घर ऐसे बनायगा कि पानी अन्दर न आय और औक्सीजन बाहर न जाय और कोई खिड़की दरवाजा न हो

३- मनुष्य पानी में खनिज पदार्थ ढूढ निकालेगा

४- मनुष्य पानी की सतह पर मोटर गाड़िया चलायेगा ।

५- मनुष्य पानी की सतह पर रेल लाईनें, हवाई अड्डा और स्टेशन बनायेगा ।

६- मनुष्य पानी की सतह पर अस्पताल बनायेगा ।

७- मनुष्य पानी में ही पेट्रोल पम्प बनायेगा ।

१८- मनुष्य का ज्ञान बढ़ेगा

१- पानी में रहने वाले जीवों का ज्ञान प्राप्त हो जायगा

२- समुद्र तल की खोज पूरी हो जायगी

३- जलपौधों की भी जानकारी बढ़ेगी

४- जलजीवन के बारे में मालूम हो जायगा

५- पाताल क्या है मालूम पड़ जायगा

६- समुद्र खोज बीन का स्थान हो जायगा

१९- अमूल्य बिधि काम आयगी

१- सीपियों के मनुष्य घर बनायगा

२- सीपियों में ही रहेगा

३- सीपियों के खिलौनों से बच्चे खेला करेंगे

४- सीपियों ही के बिस्तर कपड़े इत्यादि होंगे

५- हीरे मोतियों के भी घर बनेंगे

२०- <u>ऑक्सीजन</u>

१- मनुष्य को ऑक्सीजन की थैली हमेशा साथ रखनी पड़ेगी

२- पानी में ऑक्सीजन के आने का और कारबन डाई ऑक्साईड के जाने का इन्तजाम करना पड़ेगा

३- ऑक्सीजन के सिलिन्डर की कीमत बढ़ जायगी

४- ऑक्सीजन बहुत मात्रा में बनाई जायगी

५- ऑक्सीजन की कमी से बहुत से लोग मर भी जायेंगे

६- पानी में जो ऑक्सीजन न है वह मनुष्य ले लेगा तो जलजीवी उतने चालाक न होने से मर जायेंगे

<u>और उत्तर</u>

१- आने वाली पीढ़ी आश्चर्य करेगी कि उनके पूर्वज धरती पर रहते थे

२- मनुष्य को आविष्कार करने धरती पर जाना पड़ेगा

३- मनुष्य आविष्कारक चांद के बदले धरती की खोज करेंगे

४- आकाश के पक्षी मनुष्य को सतायेंगे

५- मनुष्य इशारों से बाते करेगा

६- कवि जलजीवियों की सुन्दरता का वर्णन करेंगे

७- कपड़ों के ढंग बदल जायेंगे

८- कुछ लोग धरती पर भागने जाया करेंगे

९- किसी को मारने के लिए धरती पर फेंकने की धमकी दी जायगी

१०- खास लोगों को धरती पर रहने की शिक्षा दी जायगी

११- खाना आग पर नहीं बल्कि पानी पर पकेगा

१२- गोला बारूद के बदले पानी वाले हथियार बनेंगे

१३- घर पत्थर के होंगे

१४- चुनाव के समय अलग अलग नदियों में वोट डाले जायेंगे

१५- चन्द्रमा के निकलने पर लहरें जो उठती है उन्हें उठने नहीं देगा

१६- चलने के बजाय मनुष्य उछलने कूदने लग जायगा

१७- जानवर मनुष्य को पानी में देखकर हसेंगे

१८- जलजीवियों के रहने का स्थान कम हो जायगा

१९- जलजीवी मनुष्य से हारने पर धरती की शरण लेंगे

२०- जलजीवियों की कमी हो जायगी

२१- जलजीवियों की ही भाषा में मनुष्य भी बोलेगा

२२- जीवन का एक ही उद्देश्य होगा। भोजन

२३- जल ही सम्पति होगी और बटेगी

२४- जहाजों का काम मनुष्य करेगा

२५- भुण्डों में मनुष्य चला करेंगे

२६- तैरना सीखने के विद्यालय खुलेंगे

२७- धरती का ज्ञान कम होता जायगा

२८- धरती पर चलने की प्रतियोगिताए होगी

२९- धरती पर मनुष्य बारिश के दिनों में पैदा होगा

३०- धरती की समस्याए कम हो जायगी

३१- मनुष्य को धरती की मदद लेनी पड़ेगी

३२- धरती के नेता, मन्त्री, प्रधान मन्त्री सब वहां के लिए बेकार

३३- मनुष्य को पानी से प्रेम हो जायगा

३४- पानी भी फिर दूध के भाव बिकेगा

३५- पानी भी कई पकवानों के रूप में दिया जायगा

३६- पानी के नीचे लोग है कि नहीं मालूम कर लेगा

३७- पानी में अनुशासन का प्रश्न खड़ा हो जायगा

३८- पानी में रहने वाला मनुष्य धरती पर पैदा होने वाले मनुष्यों को जानवर कहेगा (समझे गा)

३९- पानी के बाहर जलजीवियों के तरह तपेगा और मरेगा

४०- :प्यास: शब्द ही शब्दकोष में नहीं रहेगा

४१- पौधों को पानी की जगह मिट्टी डालनी पड़ेगी

४२- परिवार नियोजन विभाग बन्द

४३- ब्रह्मा मनु को नए सिरे से सृष्टि की रचना करने को कहेगा

४४- बाहर की दुनिया को मनुष्य गर्दन उठा उठा कर देखेगा एक अजूब की तरह

४५- मनुष्य एक जगह टिक कर नहीं रहेगा — तालाब से नदियों में, नदियों से समुद्रों में जायगा

४६- मनुष्या अण्डे देने लगेगा

४७- मनुष्य नदी, नाले, कुएं तालाब आदि में पाया जायगा

४८- मनुष्य पानी में पाया जाता है देखने की आदत पड़ जायगी

४९- मनुष्य किसी जानवर के नाम से जाना जायगा

५०- मनुष्य कोशिश करेगा कि जहां पानी नहीं है पानी वहां भी पहुंच जाय

५१- मनुष्य पानी और धरती दोनों का फायदा उठायगा

५२- मनुष्य की औसत आयु कम हो जायगी

५३- मनुष्य इस भगवान की उपासना नहीं करेगा

५४- मनुष्य अपने लिए एक नया देवता मान लेगा

५५- मनुष्य को समुद्री कामों में लाया जायगा

५६- मनुष्य की खाल बहुत काम आयगी

५७- मनुष्यों के कारण पानी में बाढ़ आ जाया करेगी

५८- मनुष्य का दिमाग और व्हेल का बल अच्छा संगम होगा

५९- मनुष्य भगवान से प्रार्थना करेगा कि वह धरती देख सके

६०- मनुष्य पानी से भी एक दिन तंग आ जायगा

६१- मछलियां घरों में रहने लग जायगी

६२- यातायात दो रास्तों वाला बनाना पड़ेगा —एक आने का और एक जाने का

६३- रुपये पैसे का प्रचलन बन्द हो जायगा

६४- विस्फोट पदार्थ अधिक हानि नहीं पहुंचा सकते

६५- सारी दुनिया एक जल नगरी लगने लग जायगी

६६- सौने के लिए धरातल पर जाना पड़ेगा

६७- सूती कपड़ों को मनुष्य एक अजीब चीज समझेगा

६८- सर्दियों में जब पानी जमेगा और बहुत नीचे सतह पर सांस नहीं ले सकेगा तो मर जायगा

६९- सीप की तरह मनुष्य मोती बनाना आरम्भ करेगा

७०- सृष्टि में भयन्कर परिवर्तन आ जायगे

७१- समुद्रों को मनुष्य गहरा करता जायगा

७२- स्मर्ण शक्ति लुप्त हो जायगी

७३- सोचने की शक्ति कम हो जायगी

७४- हर इस्तमाल की वस्तु ऐसी बनेगी जिनमें पानी न घुसे

७५- हर वस्तु तरल रूप में मिलेगी

७६- ज्ञान मनुष्य का अधूरा रह जायगा

--000--00-0-

यदि मनुष्य की देखने की शक्ति समाप्त हो जाय

१- आंखों पर अनुसन्धान होगा

१- आंख की रोशनी पर खोज करेगा मनुष्य

२- ऐसे चश्में बनेंगे जिनसे दिखे

३- आंखों के लिए नई तरह की दवाइयां बनेगी

४- ऐसी चीज तलाश करेगा मनुष्य जो आंखों की जगह ले लें

२- आंखे बदल जायगी

१- आंखे चेहरे से मिट जायगी

२- आंखे क्या होती है मनुष्य को इसकी खबर भी नहीं होगी.

३- आंखों की जगह कोई और चीज ले लेगी

३- अंधेरा

१- जीवन अंधेरे घर जैसा होगा

२- मनुष्य अन्धा हो जायगा

३- अंधेरे का आदी हो जायगा

४- और ज्ञान्द्रियों से अनुभव करेगा

१- कानों से देखने का काम लेगा
(आवाज से ही मनुष्य पहचानेगा)

२- गन्ध ज्ञान होगा

३- मुंह से बोल के समझायगा

४- स्पर्श से ज्ञान होगा

५- स्वाद से वस्तु पहचानेगा

६- उंगलियों से बहुत से काम करेगा

७- अपना आकार छूने से मालूम करेगा

८- :२६ जनवरी को राष्ट्रपति भवन पर मधुर मधुर धुनें बजेंगी :

५- <u>उन्नति नहीं कर पायगा</u>

१- पढ़ाई लिखाई नही कर पायगा

२- शरीर की देखभाल और विकास नही कर पायगा

३- देश की उन्नति, रक्षा और विकास नही कर पायगा

४- भोजन पैदा नहीं कर पायगा

५- घर मकान नहीं बना पायगा

६- <u>जीवन के साधनों के लिए आविष्कार करेगा</u>

१- ऐसे यन्त्र बनेंगे जो बगैर देखे चले

२- ऐसे यातायात के साधन बनेंगे जो देखे बगैर चले

३- नई तरह की भाषा तथा लिखने का ढंग निकालेगा

४- नई तरह की चित्रकारी सिखेगा

५- नये तरह के शिक्षा संस्थान खोलेगा

६- नये साधनों से चांद तारों का अध्ययन करेगा

७- <u>दुर्घटना की यात्रा बढ़ जायगी</u>

१- आपस में टकरा कर मरेंगे

२- आपस में लड़ भिड़ के मरेंगे

३- गलत चीज खाकर मरेंगे जैसे जहरीली चीज, गन्दगी

४- गलत चीज को हाथ लगाकर जैसे आग, जानवर

५- गलत जगह में घुस कर जैसे गुफा, घर

६- गढ्ढे में गिरकर या कुआ, खांह इत्यादि मे गिरकर

७- चोंटे लगने पर इलाज मुश्किल से होगा इस पर मरेंगे

८- जीवन खतरे में पड़ जायगा

८- प्रचल्लित सिक्का बदलना पड़ेगा

१- खोटे पैसे चलने लग जायेंगे

२- मुद्रा चलनी बंद हो जायगी (वर्तमान)

३- मुद्रा पत्थर की बनने लग जायगी

४- व्यापार कम हो जायगा

५- सिक्कों की जांच भार से होगी

६- धातु के मोटे मोटे अक्षर बनेंगे जो कूकर पढ़े जायेंगे

९- पशु और मानव का सम्बन्ध बदल जायगा

१- पशु मनुष्य को खाने लग जायगा

२- पशुओं को हानि पहुंचेगी

३- पशु आजाद हो जायगा

४- मनुष्य पशु बनना पसंद करेगा

५- मानव पर पशु पक्षी का राज्य हो जायगा

६- मनुष्य के लिए पशु पालना जरूरी हो जायगा

१०- बुद्धि और विकसित होगी

१- कल्पना शक्ति बढ़ेगी

२- जिज्ञासा बढ़ जायगी

३- मस्तिष्क बहुत जागरूक होगा

४- मन की आंखों की रौशनी और तीव्र हो जायगी

५- ज्ञानेन्द्रियां गतिशील हो जायगी

११- वर्तमान सामानों का उपयोग नहीं कर पायगा

१- जानवरों का ठीक उपयोग नहीं कर पायगा

२- देखने वाले मनोरंजन जैसे सिनेमा, टेलिविजन का उपयोग नहीं कर पायगा

११- <u>वर्तमान सामानों का उपयोग नहीं कर पायगा (चालु)</u>

३- श्रृंगार नहीं कर पायगा

४- दिन और रात के अलग अलग फायदें नहीं जान पायगा

५- शिकार नहीं कर पायगा

६- विज्ञान के सारे उपकरण बेकार

७- सांसारिक वस्तुओं का आनन्द नहीं उठा सकेगा

८- अस्पताल, कारखाने इत्यादि बेकार

१२- <u>सहारा</u>

१- टटोल टटोल कर चलने लगेगा

२- दूसरों का सहारा लेकर चलने लगेगा

३- लाठी का सहारा लेगा

४- मनुष्य मिल कर रहने लग जायेंगे

५- कोई किसी को सहारा नहीं दे पायगा

६- मनुष्य को आत्म निर्भर होना पड़ेगा

१३- सभ्यता में परिवर्तन आ जायगा

१- आजकल वाली सभ्यता नष्ट या समाप्त हो जायगी

२- आज का युग पुरातन काल माना जायगा

३- कपड़े न होने से मनुष्य बगैर वस्त्र रहने लग जायगा

४- मनुष्य पूरी तरह से स्वतन्त्र हो जायगा

५- मनुष्य पशु जैसा हो जायगा

६- मनुष्य मनुष्य को मारने लगेगा

७- मनुष्य वापस आदि मानव बन जायगा

८- मनुष्य का आदर कम हो जायगा

९- मनुष्य नई तरह की दुनिया बना लेगा

१०- मनुष्य के विचारों में परिवर्तन आ जायगा

११- एक दूसरे की भाषा नहीं समझेंगे

१४- ज्ञान

१- आज की सब पुस्तकें व्यर्थ हो जायगी

२- ज्ञान अधूरा रह जायगा

और उत्तर

१- अंध महाविद्यालय खुलने लग जायेंगे

२- अन्धेपन की कसौटी पर ही सरकार बनेगी

३- अन्धों की सन्तान भी अन्धी ही होगी

४- आजकल के अन्धे अधिक अनुभवी होने की बजह से नये
अन्धों को काम सिखा देंगे

५- आज की सब वस्तुओं का नया नाम होगा

६- ईश्वर चैन की सांस लेगा

७- ऐनक नाम की कोई चीज नहीं रहेगी ।

८- कवियों की तादाद बढ़ेगी

९- कर्जदार नहीं दिखेंगे

१०- कपड़े न होने से मनुष्य ठंड से मरेंगे

११- किसी देश की कोई सीमा नहीं रह जायगी

१२- जीवन का विकास मनुष्य नहीं कर पायगा

१३- जीवन से लगन भी मनुष्य की कम हो जायगी

१४- टक्कर लगने पर लोग एक दूसरे से कहा करेंगे
:बहरे हो सुनाई नहीं पड़ता कोई आ रहा है:

१५- :देखते ही प्रेम हो गया: कहना बन्द हो जायगा

१६- दूसरे ग्रहों के लोग नेत्र दान करेंगे

१७- दाह संस्कार जैसे धार्मिक प्रथाये समाप्त हो जायगी

१८- नये नये खेल शुरू हो जायेंगे

१९- परिवार प्रथा टूट जायगी

२०- प्रकृति से लगन कम हो जायगी

२१- बीमारिया बहुत फैलेंगी चूंकि सफाई नहीं होगी

२२- बेरोजगारी बहुत बढ़ जायगी

२३- बिजली के बल्बों का आकर्षण समाप्त हो जायगा

२४- बिजली की जरूरत नहीं रहेगी

२५- भूख से मनुष्य मर जायगा

२६- भिखारी अन्धे होने का नाटक नहीं कर पायेंगे

२७- मौसम का अनुमान मनुष्य नहीं लगा पायगा

२८- मनुष्य भगवान से तीसरी आंख मांगेगा

२९- मनुष्य आने वाली दुनिया से अपरिचित होगा

३०- मनुष्य को अपने शरीर की कल्पना करेनी पड़ेगी

३१- यह धरती अन्ध नगरी कहलायगी

३२- यातायात के साधन चलेंगे नहीं, इससे हवा गन्दी नहीं होगी
और वातावरण गन्दा होने से बचेगा

३३- रेडियों बहुत मात्रा में बनेंगे

३४- शिक्षा संस्थान बन्द हो जायेंगे

३५- राष्ट्रीय आय में हानि हो जायगी

३६- शादी के समय एक दूसरों को देखने की प्रथा समाप्त हो जायगी
(काले लोगों की शादी आसान हो जायगी)

३७- समय का पता लगाना कठिन हो जायगा

३८- सृष्टि की रचना ठीक से नहीं हो सकेगी

३९- सुरमा काजल वालों का धन्धा चौपट

४०- संचार व्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा

डायरी

१- ईंटों पर

२- कपड़े पर (१) पहने वस्त्र (२) चादर

३- कपड़े के छोटे छोटे तिनके अक्षरों के आकार में काट काट कर

४- खनिज पदार्थों पर

(१) लोहा (२) ताम्बा (३) टीन (४) स्टील इत्यादि

५- गोबर के अक्षर

६- चमड़े पर

७- चावल को पीसकर घोल बनाकर बिछा लो

८- चटाई पर

९- जमीन पर

१०- दीवारों पर

११- पत्थरों पर

(१) पत्थर के टुकड़ों पर (२) चट्टानों पर (३) स्लैटों पर

१२- पत्थरों को अक्षरों में गढ़कर

१३- पेड़ पौधों पर

(१) पत्तों पर - जैसे केला, पीपल, ताड़, कमल, भौज, ताम्र

(२) लकड़ी के तने पर, छाल

(३) तख्ती पर

१४- पेड़ का गूदा निकाल कर, कूट कर, सुखा कर, कागज बना लें

१५- प्लास्टिक पर

१६- प्लास्टिक ऑफ पैरिस पर

१७- मोम को गर्म करके किसी चीज पर बिछा लें

१८- मटके पर (टूटे हुए या साबित)

१९- मिट्टी को गीली करके पाट बनाकर

२०- रूई पर

२१- लकड़ी के अक्षरों में काट काट कर

२२- लकड़ी को बारीक पीस कर घोल बनाकर पाट लें

२३- शरीर पर

२४- शीशे पर

२५- सड़क पर

२६- सीमेंट को गीला करके पार बनाके

२७- वहां के निवासी जिस प्रकार लिखते होंगे उसी प्रकार

२८- कैमरा की मदद से

२९- टेप रिकार्डर में बोलकर टेप करले

--oo--oo--

स्याही

१- अकऊआ के सफेद दूध से

२- अदरक और नीबू का रस मिलाकर (लाल रंग)

३- ईंट को पीसकर

४- कालिख से

(१) तवे की (२) धुआं जमाके (३) काजल

५- कच्चे कोयले से

६- खून से

७- गन्धक

८- नील

९- नीला थोथा

१०- नाखून पालिश

११- चाय (उबली हुई)

१२- चूना

१३- तेल

१४- दवा (रंगीन)

१५- दूध

१६- पेड़ पौधे पीस कर

(१) पत्तों - मेंहदी, नीम, केले के फूल, इत्यादि

(२) फल- तरबूज, संतरा, जामुन इत्यादि

(३) फूल- टेसू, गुलाब, केसर इत्यादि

(४) सब्जियां- प्याज, गाजर, चुकन्दर इत्यादि

१७- बूट पालिश

१८- मोम

१९- मिट्टी, गोबर, गन्दा पानी

२०- राख (घास फूस जलाकर पानी में मिला कर)

२१- रंग-(पानी में मिलाकर)

२२- रोगन

२३- लाख

२४- सिन्दूर (पानी में मिलाकर)

२५- हल्दी (पानी में मिलाकर)

२६- हाइड्रोजन डाई आक्साइड

कलम

१- आलू को काट के उसका ठप्पा

२- ईंट

३- उंगली

४- खड़िया

५- नोकीली चीज से

(१) कांटा (२) कील (३) चाकू

६- नाखून

७- चूने का पत्थर

८- छैना, हथौड़ी

९- टाईप करके

१०- पंख- पंछियों के जैसे

(१) कबूतर (२) मोर (३) चिड़िया

११- पत्थर, कंकर (रंगीन जैसे)

(१) काला (२) सफेद (३) लाल (४) गेरू

१२- ब्रश

१३- मिट्टी के पके हुए टुकड़े

१४- लकड़ी पेड की

(१) सूखी पतली लकड़ी

(२) झाडू की तीली

(३) दातून

(४) दियासलाई

१५- सलैटी, चाक

१६- सुई से कपड़े पर काढ काढ के

१७- सेल (बिंदी के)

१८- हड्डियां